आकाशवाणी श्री विजयपुरम

28.08.2025 समय : 1850

- प्रधानमंत्री जन–धन योजना के पूरे हुए ग्यारह साल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा– इस योजना ने लोगों को अपना भविश्य स्वयं लिखने की भाक्ति दी है।

- अब तेईस सितंबर को हर साल मनाया जाएगा आयुर्वेद दिवस। आयुश मंत्रालय ने कहा– यह एक ऐतिहासिक परिवर्तन है।

- आधार में बच्चों की बायोमैट्रिक जानकारी अपडेट करना अनिवार्य होगा।

- राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में मशाल रिले आज कैंपबेल बे पहुँची।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री जन धन योजना को आज ग्यारह वर्ष पूरे हो गए। यह योजना अटठाइस अगस्त दो हजार चौदह को शुरू की गई थी और अब यह दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री जन–धन योजना की झलकियां साझा करते हुए बताया है कि कैसे इस योजना ने वित्तीय समावेशन से वंचित लोगों का वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण कर पूरे भारत में जीवन को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जब समाज के अंतिम छोर पर बैठा व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ जाता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है और यह प्रधानमंत्री जन–धन योजना से संभव हो पाया है। योजना के तहत पैसठ द□ामलव सोलह करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें दो द□ामलव सड़सठ लाख करोड़ रुपए की जमा राशि है। इनमें से छप्पन प्रति□ात खाते महिलाओं के नाम पर हैं, जो वित्तीय समानता का प्रतीक हैं। वित्त मंत्रालय ने जुलाई दो हजार पच्चीस से सितंबर दो हजार पच्चीस तक इस योजना के विस्तार के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि योजना को पुनर्गठित कर उसकी ऋण अवधि इकतीस दिसंबर दो हजार चौबीस से बढ़ाकर इकतीस मार्च दो हजार तीस कर दी है। इसका कुल परिव्यय सात हजार तीन सौ बत्तीस करोड़ रुपये है, और यह एक द□ामलव पन्द्रह करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। इस योजना में पहले और दूसरे ऋण की राशि बढ़ाकर पन्द्रह हजार और पच्चीस हजार रुपये कर दी गई है, जबकि तीसरे ऋण की राशि पचास हजार रुपये रहेगी। इसके अलावा, यू.पी.आई–लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों को तत्काल ऋण मिलेगा, और डिजिटल लेनदेन पर कैशबैक प्रोत्साहन भी मिलेगा। यह योजना रेहड़ी–पटरी वालों के लिए वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता और डिजिटल कौशल को बढ़ावा देती है। दो हजार बीस में कोविड–उन्नीस के दौरान शुरू की गई इस योजना के तहत अड़सठ लाख से ज्यादा रेहड़ी–पटरी वालों को तेरह हजार सात सौ सत्तानबे करोड़ रुपये के ऋण दिए गए हैं। अब इसका दायरा बढ़ाकर उनके व्यवसाय और सतत विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

<><><><><><><>

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज 'ऑपरेशन महादेव' में भाग लेने वाले सशस्त्र बलों, अर्ध सैनिक बलों और जम्मू–कश्मीर पुलिस के जवानों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। यह ऑपरेशन बाईस अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था, जिसमें एक नेपाली पर्यटक सहित छब्बीस निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या की गई थी। तीन महीने तक चले इस अभियान में सुरक्षा बलों ने हमले में शामिल सभी तीन आतंकवादियों को मार गिराया। गृहमंत्री ने जवानों को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी बहादुरी और राष्ट्र

सेवा की सराहना की। श्री शाह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति पर अडिग है।

<><><><><><><>

अर्जेंटीना ने भारतीय नागरिकों के लिए अपने प्रवेश नियमों में ढील दी है। इससे वैध अमरीकी पर्यटक वीज़ाधारकों को अर्जेंटीना की यात्रा के लिए अलग से वीजा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस निर्णय का स्वागत करते हुए भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना और अधिक भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार है।

<><><><><><><>

भारत सरकार ने आयुर्वेद दिवस की तिथि को स्थायी रूप से तेइस सितंबर निर्धारित किया है। यह निर्णय मार्च दो हजार पच्चीस में जारी राजपत्र अधिसूचना के तहत लिया गया है। पहले आयुर्वेद दिवस धन्वंतरि जयंती धनतेरस के दिन मनाया जाता था। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि यह प्रकृति और व्यक्ति के सामंजस्य पर आधारित जीवन विज्ञान है। दो हजार पच्चीस का आयुर्वेद दिवस का विषय "लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद" होगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बताया कि दो हजार सोलह में आयुर्वेद दिवस की शुरुआत के बाद से यह एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है।

<><><><><><><>

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने देशभर के स्कूलों से पांच से पन्द्रह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए समय पर आधार अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट सुनिश्चित करने को कहा है। प्राधिकरण के कार्यकारी अधिकारी भुवनेश कुमार ने इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इससे संबन्धित शिविर आयोजित करने में सहयोग करने का अनुरोध किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यू.आई.डी.ए.आई और शिक्षा मंत्रालय ने लगभग सत्रह करोड़ बच्चों के लिए यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस प्लेटफॉर्म पर आधार में लंबित अपडेट को सुगम बनाने के लिए सहयोग किया है। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के अंतर्गत एक शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली है और स्कूली शिक्षा से संबंधित आँकड़े एकत्र करती है। प्राधिकरण और स्कूली शिक्षा विभाग की इस संयुक्त पहल से बच्चों के बायोमेट्रिक को अपडेट करने में काफी सहायता मिलने की सम्भावना है।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में "फ्लेम ऑफ़ फिटनेस" मशाल रिले आज ननकौड़ी द्वीप से एम.वी नालंदा जहाज द्वारा कैंपबेल बे पहुँची। शाम साढ़े पांच बजे एम.वी नालंदा के कप्तान विनीत कुमार ने औपचारिक रूप से मशाल को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कैंपबेल बे की प्रधानाचार्या बिंदु वर्मा को सौंपा। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने कैंपबेल बे क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर उत्साहपूर्वक मशाल दौड़ का आयोजन किया, जिसके बाद मशाल को विद्यालय परिसर में स्थापित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा, युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण, कोलकाता के सहयोग से आयोजित फिट इंडिया अंडमान एवं निकोबार खेल महोत्सव का हिस्सा है। इस आयोजन का उद्देश्य फिटनेस और खेल भावना को प्रोत्साहित करना है। आज सुबह नौ बजे "फ्लेम ऑफ़ फिटनेस" को भारत के सबसे दक्षिणी बिंदु इंदिरा पॉइंट ले जाया गया। इस महत्वपूर्ण यात्रा में द्वीप के स्थानीय प्रशासन के अधिकारीगण और पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। यह पहल न केवल राष्ट्रीय खेल दिवस की भावना को बल देती है, बल्कि द्वीप के युवाओं में फिटनेस, खेल और

राष्ट्रभक्ति की भावना को भी प्रोत्साहित करती है। इसके बाद मशाल को पुनः राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कैंपबेल बे में पहुंच चुका है।

<><><><><><><>

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर ने शैक्षणिक सत्र दो हजार पच्चीस–छब्बीस के लिए शारीरिक शिक्षा के शोधकर्ता क्षेत्र में शोध कार्य हेतु इच्छुक एवं योग्य अभ्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पहल शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है। महात्मा गांधी कॉलेज प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इच्छुक उम्मीदवारों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर आठ सितंबर तक जमा करना होगा। आवेदन पत्र, नियम एवं शर्तें और अन्य आवश्यक जानकारी महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट **mggcm.and.nic.in** से डाउनलोड की जा सकती हैं। कॉलेज प्राचार्य ने बताया कि चयनित शोधार्थियों को महाविद्यालय की शोध गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे न केवल उनके करियर को दिशा मिलेगी, बल्कि शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा।

<><><><><><><>